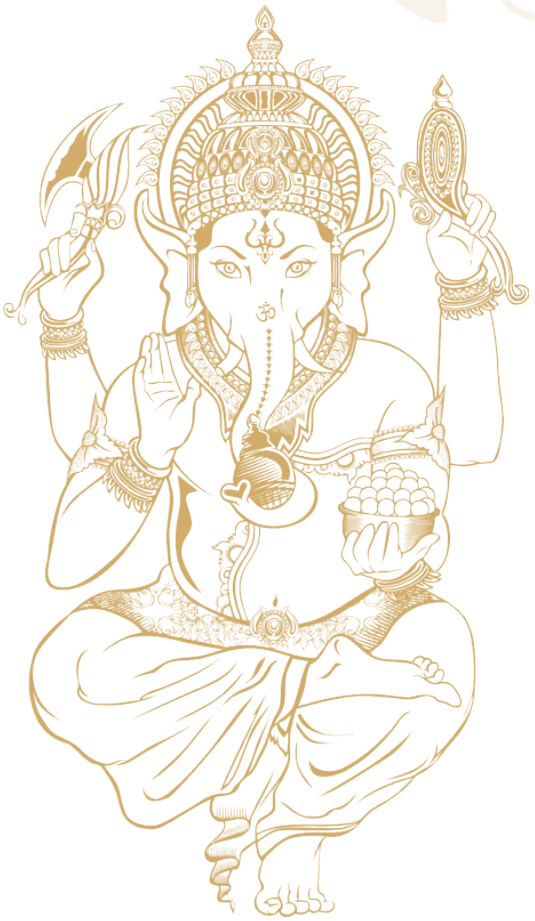

04 Sep 2018

01:06 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121137303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/2018**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:06:00 घंटे**
इष्ट	17:54:55 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:48:12 घंटे
वेलान्तर	00:00:52 घंटे
साम्पातिक काल	11:41:43 घंटे
सूर्योदय	05:56:01 घंटे
सूर्यास्त	18:37:10 घंटे
दिनमान	12:41:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:37:00 सिंह
लग्न के अंश	18:50:09 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	18:50:09	310:56:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
सूर्य			सिंह	17:37:00	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	03:15:40	14:06:26	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मक	04:53:54	00:06:13	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध			सिंह	02:45:15	01:42:07	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	23:31:01	00:08:37	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	02:03:56	00:47:16	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
शनि	व		धनु	08:25:55	00:00:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु			कर्क	11:14:20	00:01:11	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			मक	11:14:20	00:01:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	08:08:30	00:01:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	21:03:35	00:01:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	24:48:48	00:00:45	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			कन्या	00:54:22	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:51

लग्न-चलित

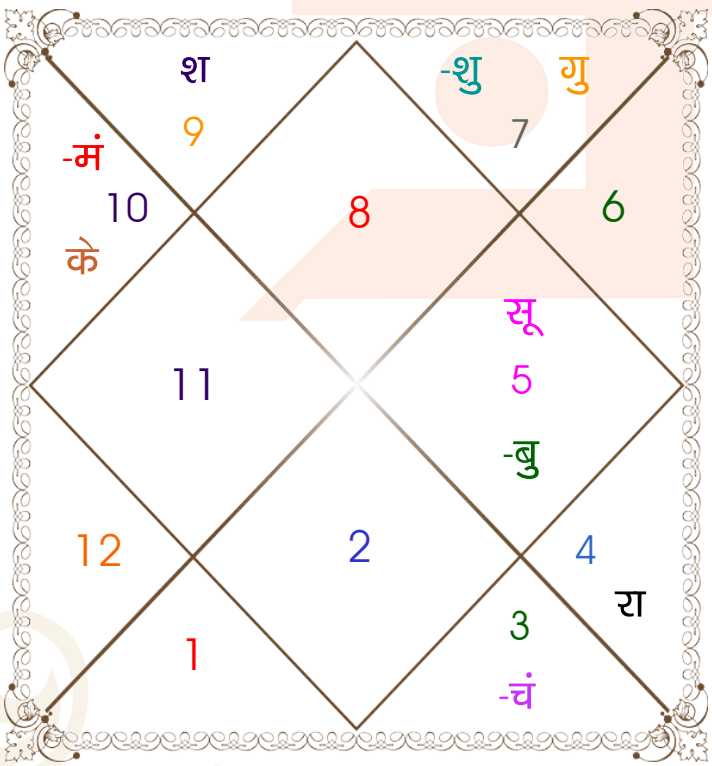

चन्द्र कुंडली

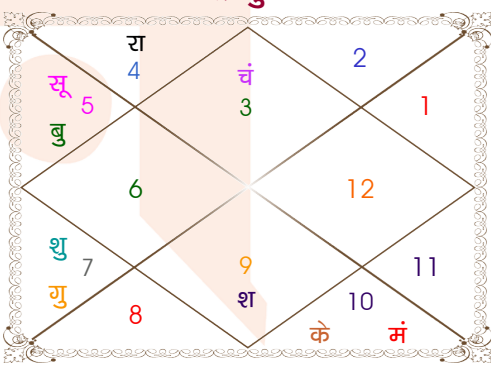

नवमांश कुंडली

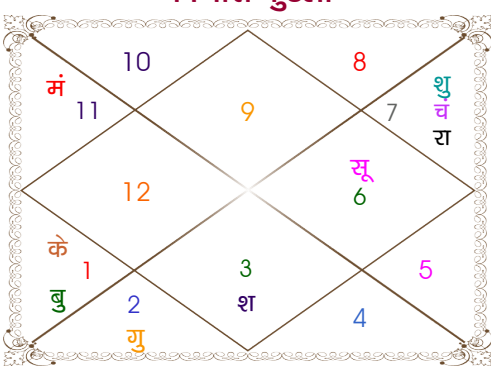

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 9 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/09/2018		18/06/2020		19/06/2038		19/06/2054		18/06/2073	
18/06/2020		19/06/2038		19/06/2054		18/06/2073		19/06/2090	
	00/00/0000	राहु	01/03/2023	गुरु	06/08/2040	शनि	21/06/2057	बुध	15/11/2075
	00/00/0000	गुरु	25/07/2025	शनि	17/02/2043	बुध	29/02/2060	केतु	11/11/2076
	00/00/0000	शनि	31/05/2028	बुध	25/05/2045	केतु	09/04/2061	शुक्र	12/09/2079
	00/00/0000	बुध	18/12/2030	केतु	01/05/2046	शुक्र	09/06/2064	सूर्य	18/07/2080
	00/00/0000	केतु	06/01/2032	शुक्र	30/12/2048	सूर्य	22/05/2065	चंद्र	18/12/2081
	04/09/2018	शुक्र	05/01/2035	सूर्य	18/10/2049	चंद्र	21/12/2066	मंगल	15/12/2082
शुक्र	13/07/2019	सूर्य	30/11/2035	चंद्र	17/02/2051	मंगल	30/01/2068	राहु	04/07/2085
सूर्य	18/11/2019	चंद्र	31/05/2037	मंगल	24/01/2052	राहु	06/12/2070	गुरु	09/10/2087
चंद्र	18/06/2020	मंगल	19/06/2038	राहु	19/06/2054	गुरु	18/06/2073	शनि	19/06/2090

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/06/2090		18/06/2097		19/06/2117		20/06/2123		19/06/2133	
18/06/2097		19/06/2117		20/06/2123		19/06/2133		00/00/0000	
केतु	15/11/2090	शुक्र	19/10/2100	सूर्य	07/10/2117	चंद्र	19/04/2124	मंगल	15/11/2133
शुक्र	15/01/2092	सूर्य	19/10/2101	चंद्र	08/04/2118	मंगल	18/11/2124	राहु	04/12/2134
सूर्य	22/05/2092	चंद्र	20/06/2103	मंगल	13/08/2118	राहु	20/05/2126	गुरु	10/11/2135
चंद्र	21/12/2092	मंगल	19/08/2104	राहु	08/07/2119	गुरु	19/09/2127	शनि	19/12/2136
मंगल	19/05/2093	राहु	20/08/2107	गुरु	25/04/2120	शनि	19/04/2129	बुध	16/12/2137
राहु	06/06/2094	गुरु	20/04/2110	शनि	07/04/2121	बुध	19/09/2130	केतु	14/05/2138
गुरु	13/05/2095	शनि	19/06/2113	बुध	12/02/2122	केतु	20/04/2131	शुक्र	05/09/2138
शनि	21/06/2096	बुध	19/04/2116	केतु	20/06/2122	शुक्र	19/12/2132		00/00/0000
बुध	18/06/2097	केतु	19/06/2117	शुक्र	20/06/2123	सूर्य	19/06/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 9 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।